कक्षा सातवीं

पाठ 2 संतति

मुख से

क) मोहल्ले की औरतों की प्रतिदिन की दिनचर्या में क्या शामिल था?

उत्तर- **मोहल्ले की औरतों की प्रतिदिन की दिनचर्या में शाम को एकत्रित होकर गप्पे मारना शामिल था।**

ख) मंजू की कर्कश आवाज़ से किसकी विचार- तंद्रा टूटी?

उत्तर- मंजू की कर्कश आवाज़ से भारती के विचार- तंद्रा टूट गई।

ग) महिलाओं द्वारा अगरबत्ती खरीदने से इनकार करने पर वृद्ध ने क्या किया?

उत्तर- वृद्ध ने थरथराती आवाज़ में कहा- "सुबह से बोहनी नहीं हुई है बेटी! एक-एक पैकेट ही खरीद लो, बड़ी मेहरबानी होगी गरीब पर।"

घ) मंजू के मोल भाव से भारती को कैसा लग रहा था?

उत्तर- मंजू के मोल भाव को सुनकर भारती को बहुत बुरा लग रहा था।

ङ) वृद्ध ने अपने बच्चों के बारे में महिलाओं को क्या बताया?

उत्तर- वृद्ध ने अपने बच्चों के बारे में बताया कि वह पांच पुत्रों का पिता है, सभी बच्चे उच्च पद पर आसीन हैं।

कलम से

क) महिलाओं के पास शाम को बाहर खड़े रहने के क्या-क्या कारण थे?

उत्तर- महिलाओं के पास शाम को बाहर खड़े रहने के कई कारण थे, जैसे- गली में खेल रहे बच्चों को वाहनों से बचाना, सब्ज़ीवालों से मोल-भाव करके सब्ज़ी खरीदना, अपने पति की प्रतीक्षा करना और गप्पे मारना।

ख) वयोवृद्ध का रेखाचित्र अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- वयोवृद्ध के चेहरे पर झुर्रियां, पैरों में टूटी चप्पल, दुर्बल क्षीण का काया और धूल-धूसरित वस्त्र पहने, एक हाथ से साइकिल संभाले तथा दूसरे हाथ में कुछ अगरबत्ती के पैकेट लिए थे।

ग) भारती को वयोवृद्ध पर क्रोध क्यों आ रहा था?

उत्तर- भारती को वयोवृद्ध पर क्रोध इसलिए आ रहा था क्योंकि वह इस उम्र में गली-गली घूम कर अपमानित हो रहे थे।

घ) मिसेज शर्मा ने वृद्ध को क्या सलाह दी?

उत्तर- मिसेज शर्मा ने वृद्ध को सलाह दी- बाबा! तुम्हारी आयु यहां धक्के खाने की नहीं है। घर में बैठकर प्रभु का भजन किया करो।

ङ) औरतें वृद्ध के बच्चों को क्यों कोसने लगीं?

उत्तर- औरतें वृद्ध के बच्चों को इसलिए उसने लगीं क्योंकि उन्होंने इस उम्र में अपने पिता को बेसहारा छोड़ दिया था।

च) वृद्ध की अपने बच्चों के प्रति सोच आपको कैसी लगी? आपके अनुसार वह किस सीमा तक सही या गलत थे?

उत्तर- वृद्ध को अपने बच्चों के प्रति कोई दुराग्रह नहीं था, यह उनकी महानता थी। हमें उनकी सोच अच्छी नहीं लगी, उनकी इस बुरी अवस्था के लिए उनके बच्चे समान रूप से ज़िम्मेदार थे। आते हो बच्चों के प्रति इतना अनुराग सही नहीं कहा जा सकता।